SAMPLE QUESTION PAPER - 1
SUBJECT- Hindi B (085)
CLASS IX (2023-24)

निर्धारित समय: 3 hours **अधिकतम अंक:** 80

सामान्य निर्देश:

- इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं - खंड 'अ' और 'ब'।
- खंड 'अ' में उपप्रश्नों सहित 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए।
- दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड अ (वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

साधारण तौर पर जब हम साफ रात्रि में आकाश की ओर देखते होंगे तो हमें दूर-दूर तक हजारों तारे टिमटिमाते हुए दिखाई देते होंगे। उन्हें देखकर लगता है कि जैसे किसी ने उन्हें आकाश की काली पृष्ठभूमि पर चिपका रखा है। कई बार हमें आश्चर्य होता कि वे हर रात एक ही जगह कैसे बने रहते हैं, गिर क्यों नहीं जाते? वैज्ञानिक तथ्य तो यह है कि तारे वास्तव में एक जगह स्थिर नहीं रहते हैं। जिस प्रकार पृथ्वी तथा अन्य आठ ग्रह सूर्य के चारों ओर अपने-अपने पथ पर चलते रहते हैं। वे भी उसी प्रकार अपने पथ पर धीरे-धीरे चलते रहते हैं। हमें लगता है कि तारे एक ही जगह स्थिर हैं, क्योंकि हम उन्हें चलते हुए नहीं देख सकते हैं। इसका कारण यह है कि वे हमसे हजारों हजार किलोमीटर दूर हैं। जब वे चलते हुए भी होते हैं तब भी ऐसा लगता है कि वे एक ही जगह हैं। इसके अतिरिक्त एक शक्ति है, जिसे हम गुरुत्वाकर्षण शक्ति कहते हैं, जिसके कारण चलते समय भी तारे अपने पथ पर बने रहते हैं। वह उनको एक-दूसरे से टकराने से भी बचाती है।

(i) आकाश की काली पृष्ठभूमि पर किसके चिपके होने की बात की गई है?

क) वैज्ञानिकों के	ख) चमकते चाँद के
ग) टिमटिमाते तारों के	घ) सूर्य के

(ii) इस गद्यांश में किस वैज्ञानिक तथ्य का उल्लेख किया गया है?

क) परिभ्रमण	ख) दैनिक गति
ग) परिक्रमा	घ) गुरुत्वाकर्षण शक्ति

(iii) हम तारों को चलते हुए क्यों नहीं देख सकते?

क) धार्मिक अंधविश्वास है	ख) क्योंकि वे हमसे दूर हैं

ग) क्योंकि वे टिमटिमाते हैं	घ) गुरुत्वाकर्षण शक्ति से वे स्थिर रहते हैं

(iv) पृथ्वी एवं अन्य ग्रह किसके चारों ओर चक्कर लगाते हैं?

क) सूर्य के	ख) धरती के

ग) चाँद के	घ) विश्व के

(v) आकाश में दिखने वाले तारों के पीछे वैज्ञानिक तथ्य क्या है?

i. वे एक जगह स्थिर नहीं रहते
ii. वे अपने पथ पर धीरे-धीरे चलते रहते हैं
iii. गुरुत्वाकर्षण के कारण वे आपस में टकराते नहीं हैं
iv. वे चलते हुए भी एक ही जगह पर रहते हैं

क) कथन ii सही है	ख) कथन i, ii व iii सही हैं

ग) कथन i, ii व iv सही हैं	घ) कथन ii, iii व iv सही हैं

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

भारत की जलवायु में काफी क्षेत्रीय विविधता पाई जाती है। संपूर्ण विश्व आज जिस बड़ी समस्या से जूझ रहा है, वह है- जलवायु परिवर्तन। जलवायु परिवर्तन आज एक ऐसी विश्वस्तरीय समस्या का रूप ले चुका है, जिसके समाधान के लिए संपूर्ण विश्व को संयुक्त रूप से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सतत प्रयास करने की आवश्यकता है। सामान्य मौसमी अभिवृत्तियों में किसी विशेष स्थान पर होने वाले विशिष्ट परिवर्तन को ही जलवायु परिवर्तन कहते हैं। मौसम में अचानक परिवर्तन, फसल-चक्र का परिवर्तित होना, वनस्पतियों की प्रजातियों का लुप्त होना, तापमान में वृद्धि, हिमनदों का पिघलना और समुद्र जल-स्तर में लगातार वृद्धि ऐसे सूचक हैं, जिनसे जलवायु परिवर्तन की परिघटना का पता चलता है।

हिमनदों का पिघलना जलवायु परिवर्तन का सबसे संवेदनशील सूचक माना जाता है। पृथ्वी पर हिमनदों के लगातार कम होने तथा उनके स्तर के नीचे खिसकने से समुद्र के जल-स्तर में वृद्धि हुई है। जलवायु परिवर्तन के पीछे कोई एक कारण नहीं है, किंतु वातावरण में ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा के निरंतर बढ़ते रहने को इसका सबसे बड़ा कारण माना जाता है। पृथ्वी पर आने वाली सौर ऊर्जा की बड़ी मात्रा अवरक्त किरणों के रूप में पृथ्वी के वातावरण से बाहर चली जाती है। इस ऊर्जा की कुछ मात्रा ग्रीन हाउस गैसों द्वारा अवशोषित होकर पुनः पृथ्वी पर पहुँच जाती है, जिससे तापक्रम अनुकूल बना रहता है। ग्रीन हाउस गैसों में मीथेन, कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रस ऑक्साइड इत्यादि शामिल हैं। वातावरण में ग्रीन हाउस गैसों का होना अच्छा है, किंतु जब इनकी मात्रा बढ़ जाती है, तो तापमान में वृद्धि होने लगती है।

इससे जो समस्या सामने आई है, उसे 'ग्लोबल वार्मिंग' अर्थात् 'वैश्विक तापवृद्धि' की संज्ञा दी गई है। वास्तव में, ग्लोबल वार्मिंग जलवायु परिवर्तन का ही एक रूप है।

(i) निम्नलिखित में से प्रस्तुत गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक क्या होगा?

i. जलवायु परिवर्तन की समस्या
ii. ग्रीन हाउस का प्रभाव
iii. पृथ्वी का बढ़ता तापमान
iv. हिमनदों का पिघलना

क) विकल्प (ii) | ख) विकल्प (i)
ग) विकल्प (iii) | घ) विकल्प (iv)

(ii) गद्यांश में जलवायु परिवर्तन का सबसे संवेदनशील सूचक किसे माना जाता है?

क) मौसम में परिवर्तन को | ख) तापमान में वृद्धि को
ग) हिमनदों के पिघलने को | घ) समुद्र जल स्तर में वृद्धि को

(iii) वातावरण में ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा बढ़ जाने के फलस्वरूप किसकी समस्या उत्पन्न होती है?

क) तापमान में वृद्धि की | ख) वैश्विक प्रदूषण की
ग) वैश्विक तापवृद्धि की | घ) तापमान में कमी की

(iv) समुद्र के जल स्तर में वृद्धि होने का एक प्रमुख कारण क्या है?

क) हिमनदों के स्तर का नीचे खिसकना | ख) फसल चक्र में परिवर्तन होना
ग) सभी विकल्प सही हैं | घ) वनस्पति प्रजातियों का लुप्त होना

(v) **कथन (A):** जलवायु परिवर्तन से वैश्विक तापमान में वृद्धि हुई है।
कारण (R): ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा में निरंतर वृद्धि तापमान को बढ़ा देती है।

क) (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है। | ख) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
ग) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है। | घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही असत्य हैं।

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[2]**

(i) जब कोई **शब्द** वाक्य में प्रयुक्त होता है तो वह ________ नहीं रह जाता, बल्कि ________ बन जाता है। [1]

क) शब्द, वाक्य
ख) शब्द, पद
ग) पद, शब्द
घ) पद, वाक्य

(ii) निम्नलिखित में रूढ़ शब्द कौन-सा है? [1]

क) समतल
ख) पशु
ग) वाचनालय
घ) विद्यालय

4. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:** [2]

(i) अनुस्वार को मूल रूप से वर्ण का कौन-सा भेद माना जाता है? [1]

क) उष्म
ख) अंतस्थ
ग) व्यंजन
घ) स्वर

(ii) निम्नलिखित शब्दों में से **अनुनासिक** के उचित प्रयोग वाला शब्द चुनिए- [1]
पतँग, हलँत, हरिनँद, यहाँ

क) हरिनँद
ख) हलँत
ग) यहाँ
घ) पतँग

(iii) निम्नलिखित शब्दों में से उस शब्द को चुनिए जिसमें अनुस्वार का प्रयोग होता है। [1]

क) दावत
ख) सावला
ग) सगति
घ) सूघना

5. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 4 के उत्तर दीजिये:** [4]

(i) निम्न में से भिन्न प्रत्यय बताइए? [1]

क) राजकीय
ख) राष्ट्रीय
ग) शासकीय
घ) जातीय

(ii) **देवरानी** शब्द में किस प्रत्यय का प्रयोग हुआ है? [1]

क) नी
ख) रानी
ग) आनी
घ) अनी

(iii) **संपूर्ण** शब्द में किस उपसर्ग का प्रयोग हुआ है? [1]

क) सम्   ख) सं

ग) स्म   घ) सन्

(iv) **दुर्भाग्य** शब्द में किस उपसर्ग का प्रयोग हुआ है? [1]

क) दू   ख) दुभ्

ग) दुर्   घ) दु

(v) 'अतिरिक्त' शब्द में से उपसर्ग और मूल शब्द अलग कीजिए। [1]

क) अ + तिरिक्त   ख) अति + रिक्त

ग) अत + रिक्त   घ) अत्य + रिक्त

6. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 3 के उत्तर दीजिये:** [3]

(i) नायक- [1]

क) गुण संधि   ख) यण् संधि

ग) अयादि संधि   घ) वृद्धि संधि

(ii) अत्यल्प- [1]

क) दीर्घ संधि   ख) यण् संधि

ग) वृद्धि संधि   घ) गुण संधि

(iii) उचित संधि विच्छेद चुनिए- प्रत्यक्ष [1]

क) प्रति + यक्ष   ख) प्रत्य + अक्ष

ग) प्रत्यः + अक्ष   घ) प्रति + अक्ष

(iv) उचित संधि विच्छेद चुनिए- रमेश [1]

क) र + मेश   ख) रम + ऐश

ग) रमे + श   घ) रमा + ईश

7. **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्ही तीन में उचित स्थान पर सही विराम-चिह्न लगाइए-** [3]

i. प्रिया लंदन न्यूयार्क और फ्लोरिडा घूमने गई है

ii. माँ ने कहा पेड़ पौधे भी रात में सोते हैं

iii. शाबाश तुमने बाज़ी मार ली
iv. मित्रों ने आते ही कहा क्या यहाँ गाना-बजाना होगा

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:** [2]

(i) अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद बताइए-
श्रीराम के पिता का नाम दशरथ था। [1]

क) विस्मयादिवाचक
ख) विधानवाचन
ग) मिश्रितवाचक
घ) निषेधवाचक

(ii) निम्नलिखित में से कौन अर्थ के आधार पर वाक्य का भेद नहीं है- [1]

क) प्रश्नवाचक
ख) संयुक्त वाक्य
ग) संकेतवाचक
घ) आज्ञावाचक

(iii) अर्थ की दृष्टी से वाक्य भेद बताइए-
अभी तुम बाहर जाओ। [1]

क) विस्मयादिबोधक वाक्य
ख) इच्छावाचक वाक्य
ग) संकेतवाचक वाक्य
घ) आज्ञावाचक वाक्य

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [5]

ऐसी लाल तुझ बिनु कउनु करै।
गरीब निवाजु गुसईआ मेरा माथै छत्रु धरै।।
जाकी छोति जगत कउ लागै ता पर तुहीं ढहै।
नीचहु ऊच करै मेरा गोबिंदु काहू ते न डरै।
नामदेव कबीरु तिलोचनु सधना सैनु तरै।
कहि रविदासु सुनहु रे संतहु हरिजीउ ते सभै सरै।।

(i) कवि ने **गरीब निवाजु** किसे कहा है?

क) राजा-महाराजाओं को
ख) संत-महात्माओं को
ग) अपने प्रभु को
घ) अपने गुरु को

(ii) प्रस्तुत पद में कवि रैदास ने अपने स्वामी को किस नाम से संबोधित किया है?

क) लाल
ख) सभी विकल्प सही हैं
ग) गुसईआ
घ) हरिजीउ

(iii) **नीचहु ऊच करै मेरा गोबिंदु** कहकर कवि ने क्या इच्छा व्यक्त की है?

क) जाति प्रथा और भेदभाव को समाप्त करने की
ख) स्वयं की उन्नति करने की
ग) कृष्ण की पूजा अर्चना करने की
घ) निम्न वर्ग में जन्म न लेने की

(iv) कवि संतों से ईश्वर की शरण में जाने को क्यों कह रहा है?

क) क्योंकि ईश्वर शरणागत का सम्मान करते हैं
ख) क्योंकि वे ईश्वर के समक्ष कुछ भी नहीं हैं
ग) क्योंकि ईश्वर ही सर्वोच्च सत्ता है
घ) क्योंकि ईश्वर ही उन्हें भवसागर से पार लगा सकते हैं

(v) **मेरा गोबिंद काहु ते न डरै** पंक्ति से क्या आशय है?

क) ईश्वर ऊँची जाति वाले लोगों से डरते नहीं हैं
ख) ईश्वर अच्छे लोगों से डरते हैं
ग) ईश्वर अछूत लोगों से डरते नहीं हैं
घ) ईश्वर को किसी का भी भय नहीं है

10. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[2]**

(i) रहीम के **दोहे** के अनुसार कीचड़ के जल की क्या विशेषता है? **[1]**

क) वह जल पवित्र होता है
ख) किसान उस जल से खेत को सींचता है
ग) सभी जल से प्यास बुझाते हैं
घ) उनके जीव जंतु उस जल से प्यास बुझाते हैं

(ii) **नये इलाके में** कविता के अनुसार दुनिया एक दिन में ही क्यों पुरानी पड़ जाती है? **[1]**

क) क्योंकि बीता दिन पुराना हो जाता है
ख) क्योंकि जो बीत गया सो बात गई
ग) क्योंकि बीता दिन फिर लौट कर नहीं आता
घ) क्योंकि नित्य नए परिवर्तन हो रहे हैं

11. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

जब अप्रैल में मैं बेस कैंप में थी, तेनजिंग अपनी सबसे छोटी सपत्री डेकी के साथ हमारे पास आए थे। उन्होंने इस बात पर विशेष महत्त्व दिया था कि दल के प्रत्येक सदस्य और प्रत्येक शेरपा कुली से बातचीत की जाए। जब मेरी बारी आई, मैंने अपना परिचय यह कहकर दिया कि मैं बिल्कुल ही नौसिखिया हूँ और एवरेस्ट मेरा पहला अभियान है। तेनजिंग हँसे और

मुझसे कहा कि एवरेस्ट उनके लिए भी पहला अभियान है, लेकिन यह भी स्पष्ट किया कि शिखर पर पहुँचने से पहले उन्हें सात बार एवरेस्ट पर जाना पड़ा था। फिर अपना हाथ मेरे कंधे पर रखते हुए उन्होंने कहा, "तुम एक पक्की पर्वतीय लड़की लगती हो। तुम्हें तो शिखर पर पहले ही प्रयास में पहुँच जाना चाहिए।"

(i) पाठ के आधार पर बताइए कि तेनजिंग कौन था?

क) लेखिका का ट्रेनर	ख) पर्वतों की जानकारी रखने वाला सैलानी
ग) एवरेस्ट पर चढ़ने वाला पहला व्यक्ति	घ) लेखिका का सहयोगी

(ii) तेनजिंग ने किस बात पर विशेष महत्त्व दिया?

क) प्रत्येक सदस्य की परीक्षा लेने पर	ख) प्रत्येक सदस्य से बातचीत करने पर
ग) सदस्यों का सामान स्वयं उठाने पर	घ) कैंप के संचालन करने पर

(iii) लेखिका ने स्वयं को नौसिखिया क्यों बताया?

क) क्योंकि वह दूसरी बार एवरेस्ट पर चढ़ रही थी	ख) वह पहले से ही चढ़ाई के बारे में बहुत कुछ जानती थी
ग) इनमें से कोई नहीं	घ) क्योंकि एवरेस्ट पर चढ़ना उसका पहला पर्वतीय अभियान था

(iv) गद्यांश के अनुसार बचेंद्री पाल (लेखिका) का यह कौन-सा अभियान है?

क) चौथा	ख) तीसरा
ग) पहला	घ) दूसरा

(v) लेखिका के लिए तेनजिंग ने कौन-से शब्द कहे थे?

क) तुम दल के पीछे पीछे ही चलना	ख) तुम्हें पहले प्रयास में ही शिखर पर पहुँच जाना चाहिए
ग) तुम पर्वतीय लड़की नहीं हो	घ) तुम पर्वत शिखर पर नहीं पहुँच पाओगी

12. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[2]**

(i) गांधीजी को किसकी मौत का सदमा लगा था? [1]

क) महादेव ख) सम्पादक मित्र

ग) प्यारेलाल घ) लेखक

(ii) " तुम कब जाओगे , अतिथि " किस विधा की रचना है ? [1]

क) नाटक ख) व्यंग्य

ग) कहानी घ) कविता

खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

13. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:** [6]

(i) सर चंद्रशेखर वेंकट रामन् के जीवन से प्राप्त होने वाले संदेश को अपने शब्दों में लिखिए। [3]

(ii) आशय स्पष्ट कीजिए- इनके लिए बेटा-बेटी, खसम-लुगाई, धर्म-ईमान सब रोटी का टुकड़ा है। [3]

(iii) अहमदाबाद में बापू के आश्रम के विषय में चित्रात्मक जानकारी एकत्र कीजिए। [3]

14. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:** [6]

(i) भाव स्पष्ट कीजिए- पानी गए न ऊबरै, मोती, मानुष, चून। [3]

(ii) संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए- [3]
हुई न क्यों मैं कड़ी गीत की
बिधना यों मन में गुनती है

(iii) संघर्ष करते रहने वाला व्यक्ति क्या कभी थक सकता है? यदि हाँ तो किन स्थितियों में? अग्निपथ कविता के आधार पर लिखिए। [3]

15. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:** [6]

(i) गिल्लू को मुक्त क्यों और कैसे किया गया? इससे लेखिका की मानवीयता कैसे प्रदर्शित होती है? [3]

(ii) लेखक कुएँ से चिट्ठी निकालने का काम टाल सकता था, परन्तु उसने ऐसा नहीं किया। स्मृति कहानी से उसके चरित्र की कौन-सी विशेषताएँ उभरकर आती हैं? [3]

(iii) **कल्लू कुम्हार की उनाकोटी** के आधार पर त्रिपुरा में सी०आर०पी०एफ० की भूमिका का वर्णन कीजिए। [3]

16. **शारीरिक श्रम : सबके लिए ज़रूरी** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- शारीरिक श्रम का अर्थ
- मानसिक श्रम और सामाजिक श्रम के बीच का अंतर
- सबको शारीरिक श्रम क्यों करना चाहिए?
- इसके लाभ

अथवा

बुजुर्गों के प्रति हमारी जिम्मेदारी विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।
संकेत बिंदु -

- हमारे समाज में बुजुर्गों की वर्तमान स्थिति
- बुजुर्गों के प्रति वर्तमान स्थिति के कारण
- बतौर समुदाय हमारी जवाबदेही
- आपके द्वारा बदलाव के कुछ सुझाव

अथवा

मेट्रो रेल-महानगरीय जीवन का सुखद सपना विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

17. आप विभू/विभूति हैं। अपने मित्र तेजस्विन शंकर को राष्ट्रमंडल खेल में ऊँची कूद के लिए पदक जीतने पर लगभग 100 शब्दों में बधाई-पत्र लिखिए। **[6]**

अथवा

अपनी गलत आदतों का पश्चात्ताप करते हुए अपनी माताजी को पत्र लिखिए और उन्हें आश्वासन दिलाइए कि फिर ऐसा न होगा।

18. दिए गए चित्र को देखकर लगभग 100 शब्दों में वर्णन कीजिए। **[5]**

19. बस में किसी अपरिचित से मित्रता करते हुए यात्रियों के बीच संवाद को लिखिए। **[5]**

अथवा

विकास के मॉडल-हाईवे, मॉल, मल्टीप्लेक्स विषय पर शिक्षक और छात्र के बीच परस्पर संवाद को 50 शब्दों में लिखिए।

Answers

खंड अ (वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

साधारण तौर पर जब हम साफ रात्रि में आकाश की ओर देखते होंगे तो हमें दूर-दूर तक हजारों तारे टिमटिमाते हुए दिखाई देते होंगे। उन्हें देखकर लगता है कि जैसे किसी ने उन्हें आकाश की काली पृष्ठभूमि पर चिपका रखा है। कई बार हमें आश्चर्य होता कि वे हर रात एक ही जगह कैसे बने रहते हैं, गिर क्यों नहीं जाते? वैज्ञानिक तथ्य तो यह है कि तारे वास्तव में एक जगह स्थिर नहीं रहते हैं। जिस प्रकार पृथ्वी तथा अन्य आठ ग्रह सूर्य के चारों ओर अपने-अपने पथ पर चलते रहते हैं। वे भी उसी प्रकार अपने पथ पर धीरे-धीरे चलते रहते हैं। हमें लगता है कि तारे एक ही जगह स्थिर हैं, क्योंकि हम उन्हें चलते हुए नहीं देख सकते हैं। इसका कारण यह है कि वे हमसे हजारों हजार किलोमीटर दूर हैं। जब वे चलते हुए भी होते हैं तब भी ऐसा लगता है कि वे एक ही जगह हैं। इसके अतिरिक्त एक शक्ति है, जिसे हम गुरुत्वाकर्षण शक्ति कहते हैं, जिसके कारण चलते समय भी तारे अपने पथ पर बने रहते हैं। वह उनको एक-दूसरे से टकराने से भी बचाती है।

(i) **(ग)** टिमटिमाते तारों के
व्याख्या: गद्यांश में आकाश की काली पृष्ठभूमि पर हजारों टिमटिमाते तारों के चिपके होने की बात क़ी गई है अर्थात् रात के समय आकाश में असंख्य तारे चमकते हुए दिखाई देते हैं।

(ii) **(घ)** गुरुत्वाकर्षण शक्ति
व्याख्या: इस गद्यांश में गुरुत्वाकर्षण शक्ति के वैज्ञानिक तथ्य का उल्लेख किया गया है। इस शक्ति के कारण तारे अपने स्थान पर स्थिर बने रहते हैं।

(iii) **(ख)** क्योंकि वे हमसे दूर हैं
व्याख्या: हम तारों को चलते हुए इसलिए नहीं देख सकते हैं, क्योंकि वे हमसे बहुत दूर हैं। वास्तंव में, तारे अपने पथ पर धीरे-धीरे चलते रहते हैं, परंतु दूरी के कारण वे हमें चलते हुए दिखाई नहीं देते हैं।

(iv) **(क)** सूर्य के
व्याख्या: गद्यांश के अनुसार पृथ्वी एवं अन्य ग्रह सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाते हैं। वे सूर्य के चारों ओर अपने अपने पथ पर चलते रहते हैं।

(v) **(ख)** कथन i, ii व iii सही हैं
व्याख्या: कथन i, ii व iii सही हैं

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

भारत की जलवायु में काफी क्षेत्रीय विविधता पाई जाती है। संपूर्ण विश्व आज जिस बड़ी समस्या से जूझ रहा है, वह है- जलवायु परिवर्तन। जलवायु परिवर्तन आज एक ऐसी विश्वस्तरीय समस्या का रूप ले चुका है, जिसके समाधान के लिए संपूर्ण विश्व को संयुक्त रूप से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सतत प्रयास करने की आवश्यकता है। सामान्य मौसमी अभिवृत्तियों में किसी विशेष स्थान पर होने वाले विशिष्ट परिवर्तन को ही जलवायु परिवर्तन कहते हैं। मौसम में अचानक परिवर्तन, फसल-चक्र का परिवर्तित होना, वनस्पतियों की प्रजातियों का लुप्त होना, तापमान में वृद्धि, हिमनदों का पिघलना

और समुद्र जल-स्तर में लगातार वृद्धि ऐसे सूचक हैं, जिनसे जलवायु परिवर्तन की परिघटना का पता चलता है।
हिमनदों का पिघलना जलवायु परिवर्तन का सबसे संवेदनशील सूचक माना जाता है। पृथ्वी पर हिमनदों के लगातार कम होने तथा उनके स्तर के नीचे खिसकने से समुद्र के जल-स्तर में वृद्धि हुई है। जलवायु परिवर्तन के पीछे कोई एक कारण नहीं है, किंतु वातावरण में ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा के निरंतर बढ़ते रहने को इसका सबसे बड़ा कारण माना जाता है। पृथ्वी पर आने वाली सौर ऊर्जा की बड़ी मात्रा अवरक्त किरणों के रूप में पृथ्वी के वातावरण से बाहर चली जाती है। इस ऊर्जा की कुछ मात्रा ग्रीन हाउस गैसों द्वारा अवशोषित होकर पुनः पृथ्वी पर पहुँच जाती है, जिससे तापक्रम अनुकूल बना रहता है। ग्रीन हाउस गैसों में मीथेन, कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रस ऑक्साइड इत्यादि शामिल हैं। वातावरण में ग्रीन हाउस गैसों का होना अच्छा है, किंतु जब इनकी मात्रा बढ़ जाती है, तो तापमान में वृद्धि होने लगती है। इससे जो समस्या सामने आई है, उसे 'ग्लोबल वार्मिंग' अर्थात् 'वैश्विक तापवृद्धि' की संज्ञा दी गई है। वास्तव में, ग्लोबल वार्मिंग जलवायु परिवर्तन का ही एक रूप है।

(i) **(ख)** विकल्प (i)
व्याख्या: प्रस्तुत गद्यांश में जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाली समस्याओं पर प्रकाश डाला गया है। अतः इसका सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक 'जलवायु परिवर्तन की समस्या' होगा।

(ii) **(ग)** हिमनदों के पिघलने को
व्याख्या: गद्यांश में स्पष्ट रूप से बताया गया है कि हिमनदों का पिघलना जलवायु परिवर्तन का सबसे संवेदनशील सूचक माना जाता है।

(iii) **(ग)** वैश्विक तापवृद्धि की
व्याख्या: गद्यांश के अनुसार वातावरण में ग्रीन हाउस गैसों का होना अच्छा है, किंतु जब इनकी मात्रा बढ़ जाती है, तो तापमान में वृद्धि होने लगती है, जिसके कारण ग्लोबल वार्मिंग अर्थात् वैश्विक तापमान की समस्या उत्पन्न होती है।

(iv) **(क)** हिमनदों के स्तर का नीचे खिसकना
व्याख्या: गद्यांश में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पृथ्वी पर हिमनदों के लगातार कम होने तथा उनके स्तर के नीचे खिसकने से समुद्र के जल-स्तर में वृद्धि हुई है।

(v) **(क)** (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।
व्याख्या: (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

(i) **(ख)** शब्द, पद
व्याख्या: शब्द, पद [शब्दों का सार्थक समूह वाक्य कहलाता है।]

(ii) **(ख)** पशु
व्याख्या: पशु

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:

(i) **(ग)** व्यंजन
व्याख्या: व्यंजन। अनुस्वार स्वर के बाद आने वाला व्यंजन है। जैसे- गंगा = गड्गा

(ii) **(ग)** यहाँ

व्याख्या: यहाँ

(iii)**(ग)** सगति

व्याख्या: सगति। संगति में अनुस्वार का प्रयोग होता है।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 4 के उत्तर दीजिये:

(i) **(क)** राजकीय

व्याख्या: राजकीय शब्द में 'कीय' प्रत्यय है बाकी सब में ईय प्रत्यय है।

(ii) **(ग)** आनी

व्याख्या: देवर + आनी

(iii)**(क)** सम्

व्याख्या: सम् + पूर्ण

(iv)**(ग)** दुर्

व्याख्या: दुर् + भाग्य

(v) **(ख)** अति + रिक्त

व्याख्या: 'अतिरिक्त' शब्द में 'अति' उपसर्ग है और 'रिक्त' मूल शब्द है।

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 3 के उत्तर दीजिये:

(i) **(ग)** अयादि संधि

व्याख्या: अयादि संधि

(ii) **(ख)** यण् संधि

व्याख्या: यण् संधि

(iii)**(घ)** प्रति + अक्ष

व्याख्या: प्रति + अक्ष

(iv)**(घ)** रमा + ईश

व्याख्या: रमा + ईश

7. i. प्रिया लंदन, न्यूयार्क और फ्लोरिडा घूमने गई है।

ii. माँ ने कहा-"पेड़ पौधे भी रात में सोते हैं।"

iii. शाबाश! तुमने बाज़ी मार ली।

iv. मित्रों ने आते ही पूछा, "क्या यहाँ गाना-बजाना होगा?"

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:

(i) **(ख)** विधानवाचन

व्याख्या: विधानवाचन

(ii) **(ख)** संयुक्त वाक्य

व्याख्या: संयुक्त वाक्य रचना के आधार पर वाक्य का भेद है, अर्थ के आधार पर नहीं।

(iii)**(घ)** आज्ञावाचक वाक्य

व्याख्या: आज्ञावाचक वाक्य

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

ऐसी लाल तुझ बिनु कउनु करै।
गरीब निवाजु गुसईआ मेरा माथै छत्रु धरै।।
जाकी छोति जगत कउ लागै ता पर तुहीं ढहै।
नीचहु ऊच करै मेरा गोबिंदु काहू ते न डरै।
नामदेव कबीरु तिलोचनु सधना सैनु तरै।
कहि रविदासु सुनहु रे संतहु हरिजीउ ते सभै सरै।।

(i) **(ग)** अपने प्रभु को
व्याख्या: अपने प्रभु को

(ii) **(ख)** सभी विकल्प सही हैं
व्याख्या: सभी विकल्प सही हैं

(iii) **(क)** जाति प्रथा और भेदभाव को समाप्त करने की
व्याख्या: जाति प्रथा और भेदभाव को समाप्त करने की

(iv) **(घ)** क्योंकि ईश्वर ही उन्हें भवसागर से पार लगा सकते हैं
व्याख्या: क्योंकि ईश्वर ही उन्हें भवसागर से पार लगा सकते हैं

(v) **(घ)** ईश्वर को किसी का भी भय नहीं है
व्याख्या: ईश्वर को किसी का भी भय नहीं है

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

(i) **(घ)** उनके जीव जंतु उस जल से प्यास बुझाते हैं
व्याख्या: रहीम के **दोहे** के अनुसार कीचड़ के जल की यह विशेषता है कि छोटे जीव जंतु उस जल से अपनी प्यास बुझाते हैं।

(ii) **(घ)** क्योंकि नित्य नए परिवर्तन हो रहे हैं
व्याख्या: नये इलाके में कविता के अनुसार दुनिया एक दिन में ही पुरानी पड़ जाती है क्योंकि नित्य नए परिवर्तन हो रहे हैं।

11. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

जब अप्रैल में मैं बेस कैंप में थी, तेनजिंग अपनी सबसे छोटी सपत्री डेकी के साथ हमारे पास आए थे। उन्होंने इस बात पर विशेष महत्त्व दिया था कि दल के प्रत्येक सदस्य और प्रत्येक शेरपा कुली से बातचीत की जाए। जब मेरी बारी आई, मैंने अपना परिचय यह कहकर दिया कि मैं बिल्कुल ही नौसिखिया हूँ और एवरेस्ट मेरा पहला अभियान है। तेनजिंग हँसे और मुझसे कहा कि एवरेस्ट उनके लिए भी पहला अभियान है, लेकिन यह भी स्पष्ट किया कि शिखर पर पहुँचने से पहले उन्हें सात बार एवरेस्ट पर जाना पड़ा था। फिर अपना हाथ मेरे कंधे पर रखते हुए उन्होंने कहा, "तुम एक पक्की पर्वतीय लड़की लगती हो। तुम्हें तो शिखर पर पहले ही प्रयास में पहुँच जाना चाहिए।"

(i) **(ग)** एवरेस्ट पर चढ़ने वाला पहला व्यक्ति
व्याख्या: एवरेस्ट पर चढ़ने वाला पहला व्यक्ति

(ii) **(ख)** प्रत्येक सदस्य से बातचीत करने पर
व्याख्या: प्रत्येक सदस्य से बातचीत करने पर
(iii) **(घ)** क्योंकि एवरेस्ट पर चढ़ना उसका पहला पर्वतीय अभियान था
व्याख्या: क्योंकि एवरेस्ट पर चढ़ना उसका पहला पर्वतीय अभियान था
(iv) **(ग)** पहला
व्याख्या: पहला
(v) **(ख)** तुम्हें पहले प्रयास में ही शिखर पर पहुँच जाना चाहिए
व्याख्या: तुम्हें पहले प्रयास में ही शिखर पर पहुँच जाना चाहिए

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:
(i) **(क)** महादेव
व्याख्या: महादेव
(ii) **(ख)** व्यंग्य
व्याख्या: " तुम कब जाओगे, अतिथि " एक व्यंग्य है, जो उस प्रकार के अतिथियों पर किया गया है, जो अचानक आ धमकते हैं और फिर वापस जाने का नाम नहीं लेते हैं।

खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:
(i) वे बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। सर चंद्रशेखर वेंकट रामन् देश में वैज्ञानिक दृष्टि और चिंतन के विकास के प्रति समर्पित थे। रामन् ने हमेशा ये संदेश दिया कि हम विभिन्न प्राकृतिक घटनाओं की छानबीन वैज्ञानिक दृष्टिकोण से करें, उन्होंने धन के स्थान पर विद्या को महत्त्व देने पर जोर दिया। वे भारत देश की सभ्यता और संस्कृति से बहुत प्रेम करते थे। अपने शोध के प्रति उनका दृढ़ विश्वास विपरीत परिस्थितियों में थोड़ा-सा भी नहीं डगमगाया और इन्होंने इसके साथ कभी किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया। रामन् के कारण ही दुनिया को पता चला कि समुद्र का रंग नीला ही क्यों होता है, कोई और क्यों नहीं। रामन् का कहना था कि व्यक्ति को अपनी प्रतिभा का सदुपयोग करना चाहिए। भले ही इसके लिए सुख सुविधाओं को त्यागना पड़े। इच्छा शक्ति से राह हमेशा निकल आती है। रामन कहते है कि जब हम अपने आस-पास घटने वाली घटनाओं का वैज्ञानिक विश्लेषण करेंगे तो हम प्रकृति के बारे में और बेहतर ढ़ंग से जान पाएँगे।
(ii) आशय यह है कि भूखा आदमी कौन-सा पाप नहीं करता है अर्थात् वह हर पाप करने को तैयार रहता है। जिस विवश और लाचार व्यक्ति के पास घर में खाने के लिए एक दाना भी न हो, वह अपने सारे कर्म रोटी के इंतजाम के लिए करेगा। रोटी पा लेना ही उसकी प्राथमिकता होगी। इस प्राथमिकता के लिए वह हर तरह के कर्म करने को तैयार रहता है।
(iii) अहमदाबाद में गांधीजी का आश्रम साबरमती नदी के किनारे स्थित है। इसकी स्थापना 1917 में हुई थी। अहमदाबाद से ही गांधीजी ने नमक आंदोलन की शुरुआत की। जिसके लिए उन्होंने साबरमती आश्रम से लेकर दांडी तक पैदल यात्रा की। गांधी जी ने इसी आश्रम में सूत कातना और कपड़ा बनाना शुरू किया था। खादी का प्रचार-प्रसार इसी आश्रम से हुआ था। गांधीजी के आश्रम के पास मगन निवास, मीरा कुटी, उद्योग मंदिर, सोमनाथ छात्रालय, गांधी स्मारक और

पेंटिंग्स गैलरी भी है। पर्यटक गांधीजी के आश्रम के साथ इन जगहों पर भी घूमने आते हैं। यहां की हर वस्तु गांधीजी के त्याग और निष्ठा की कहानी को बयां करती हैं।

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:

(i) इस पंक्ति का भाव यह है कि मोती में चमक न रहे तो वह व्यर्थ हो जाता है। ठीक इसी तरह प्रतिष्ठित मनुष्य का मान-सम्मान ही सब कुछ होता है। मनुष्य का आत्म-सम्मान न रहे तो उसका जीवन बेकार है और यदि आटे में पानी ना हो तो वह खाने लायक नहीं होता। पानी के बिना ये तीनों ही उभर नहीं सकते हैं।

(ii) प्रसंग- प्रस्तुत काव्य पंक्तियाँ स्पर्श भाग-1 में संकलित कविता 'गीत-अगीत' से ली गई हैं। इनके रचयिता रामधारी सिंह दिनकर जी हैं। इन पंक्तियों में प्रेमी के गीतों को सुनकर भाव-विभोर हुई प्रेमिका के मनोभावों को वाणी दी गई है।

व्याख्या- मानवीय प्रेम की अभिव्यक्ति प्राकृतिक सौन्दर्य का ही हिस्सा है। कवि प्रेम के बारे में बताता है कि प्रेमी के गीत का पहला स्वर उसकी राधा पर ऐसा प्रभाव डालता है। कि वह उसके करीब आकर गीत सुनकर भाव-विभोर हो जाती है और सोचती है कि हे ईश्वर! मैं उसके गीतों की कड़ी क्यों न हुई। यदि उसके गीतों की कड़ी होती तो उसका सामीप्य पा जाती।

(iii)सच्चा संघर्ष करने वाला व्यक्ति तब तक नहीं थकता जब तक उसे लक्ष्य की प्राप्ति नहीं हो जाती। उसके लिए थकावट लक्ष्य के मार्ग को त्यागना है न की लक्ष्य पर चलने के लिए लंबा मार्ग अपनाना। वह केवल उन स्थितियों में थकता है जब उससे लक्ष्य के मार्ग पर चलते-चलते कोई चूक न हो जाये।

15. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:

(i) गिल्लू के जीवन में प्रथम वसंत आने पर बाहर की गिलहरियाँ खिड़की की जाली के पास आकर चिक-चिक करके कुछ कहती रहतीं और गिल्लू जाली के पास बैठकर अपनेपन से बाहर झाँकता रहता। यह देखकर लेखिका को लगा कि गिल्लू को मुक्त करना आवश्यक है, इसलिए लेखिका ने कीलें निकालकर जाली का एक कोना खोल दिया। गिल्लू ने बाहर जाने पर मुक्ति की साँस ली। इस प्रकार लेखिका ने गिल्लू को मुक्त कर दिया। अब वह हमेशा इस रास्ते से बाहर जाकर घूमने लगा। लेखिका ने ऐसा करके अपनी मानवीय भावना को प्रदर्शित किया है। वह प्राणी मात्र के लिए स्वतंत्रता की पक्षधर रही हैं। केवल मनुष्य ही नहीं, बल्कि प्रत्येक प्राणी को स्वतंत्र रहने का अधिकार है और साथ ही किसी अन्य प्राणी को उस पर प्रतिबंध लगाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। लेखिका इस विचार की घोर समर्थक रही हैं।

(ii) लेखक के द्वारा कुएँ से चिट्ठी निकालने का काम टल सकता था। लेकिन बड़े भाई की डाँट के डर से उसने ऐसा नहीं किया। इसके साथ ही लेखक बहुत ईमानदार भी था वह अपने भाई से झूठ बोलना अथवा बहाना लगाना नहीं चाहता था। चिट्ठियों को पहुँचाने की जिम्मेदारी, कर्तव्यनिष्ठा की भावना उसे कुएँ के पास से जाने नहीं दे रही थी। लेखक ने पूरे साहस व सूझ-बूझ के साथ कुएँ में नीचे उतरकर एकाग्रचित हो साँप की गतिविधियों को ध्यान में रखकर चिट्ठियाँ बाहर निकाल लीं। इस तरह हमें लेखक की ईमानदारी व कर्तव्यनिष्ठा के साथ उसके साहस, दृढ़ निश्चय, एकाग्रचित्ता व सूझ-बूझ की जानकारी भी मिलती है।

(iii)सी०आर०पी०एफ० (केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल) त्रिपुरा में पूरा नियंत्रण रखती है। राज्य के दंगा प्रभावित क्षेत्रों में यह पुलिस बल सुरक्षा का काम करता है। राष्ट्रीय राजमार्ग-44 की देखभाल और यातायात-व्यवस्था की जिम्मेदारी भी इनके पास है। लोगों के जान-माल की रक्षा करना और विद्राहियों से संघर्ष करना इनका काम है। त्रिपुरा में शांति व्यवस्था बनाए रखना सी०आर०पी०एफ० का काम है।

16. कहा गया है कि कर्म ही जीवन है। कर्म के अभाव में जीवन का कोई अर्थ नहीं रह जाता। मनुष्य को जीवनपर्यन्त कोई-न-कोई कर्म करते रहना पड़ता है और कर्म का आधार है- श्रम। यही कारण है कि प्राचीन ही नहीं आधुनिक विश्व साहित्य में भी श्रम की महिमा का बखान किया गया है। जीवन में सफलता प्राप्ति के लिए श्रम अनिवार्य है। इसलिए कहा गया है- "परिश्रम ही सफलता की कुंजी है।" उन्हीं लोगों का जीवन सफल होता है, वे ही लोग अमर हो पाते हैं जो जीवन को परिश्रम की आग में तपाकर उसे सोने की भाँति चमकदार बना लेते हैं। परिश्रमी व्यक्ति सदैव अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर रहता है। श्रम का अर्थ लोग केवल शारीरिक श्रम समझते हैं, जबकि ऐसा नहीं है। शारीरिक श्रम के साथ-साथ मन-मस्तिष्क के प्रयोग को मानसिक श्रम की संज्ञा दी गई है। शारीरिक श्रम ही नहीं, बल्कि मानसिक श्रम से भी शरीर थक सकता है। कारखानों में काम करने वाले मजदूरों को जहाँ शारीरिक श्रम करने की आवश्यकता होती है, वहीं शिक्षक, वैज्ञानिक, डॉक्टर, शोधकर्ता इत्यादि को मानसिक श्रम से अपने उद्देश्यों की प्राप्ति करनी पड़ती है। यदि आदिमानव श्रम नहीं करता, तो आधुनिक मानव को इतनी सुख-शान्ति कहाँ से मिलती। ईश्वर भी उन्हीं की मदद करते हैं, जो स्वयं अपनी मदद करते हैं। परिश्रम करने से ही मनुष्य को अपरिमित लाभ मिलता है। उसे सुख की तो प्राप्ति होती ही है, साथ ही आत्मिक शान्ति भी मिलती है और यह आत्मिक सुख हृदय को पवित्रता प्रदान करता है। जीवन में श्रम का अत्यधिक महत्व है। परिश्रमी मनुष्य को धन और यश दोनों ही मिलते हैं तथा मरणोपरान्त भी वह अपने कर्मों के लिए आदरपूर्वक याद किया जाता है।

अथवा

बुजुर्गों के प्रति हमारी जिम्मेदारी

हमारे समाज में बुजुर्गों को सम्मान देने की अवश्यकता है। उन्होंने अपनी जीवन की अधिकतर अवधि समाज की सेवा में निवेश की है और हमारे समाज को विभिन्न क्षेत्रों में सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई है। इसलिए, हमें उनके सम्मान के साथ-साथ उन्हें आरामदायक और स्वस्थ जीवन जीने में मदद करनी चाहिए।

बुजुर्गों के प्रति वर्तमान स्थिति के कारण, उन्हें समाज से अलग कर दिया जाता है और वे अक्सर समाज से अन्याय का सामना करते हैं। हमें उन्हें समाज में सक्रिय रखने और उन्हें उनके अधिकारों की जानकारी देने की जरूरत है।

बतौर समुदाय, हमारी जवाबदेही है कि हम बुजुर्गों के लिए कुछ करें। हमें उन्हें जीवन का मजा लेने देना चाहिए, उनकी जरूरतों को पूरा करना चाहिए और उन्हें समाज के एक महत्वपूर्ण अंग के रूप में स्वीकार करना चाहिए।

अथवा

दिल्ली की यातायात व्यवस्था में क्रांति लाने का श्रेय मेट्रो रेल सेवा को है। 24 दिसम्बर, 2002 को दिल्लीवासियों के सुखद स्वप्न का साकार होना प्रारम्भ हुआ। इसी दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री

अटल बिहारी वाजपेयी ने दिल्ली की पहली मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर इस बहुप्रतीक्षित परियोजना का शुभारम्भ किया। इस मेट्रो रेल का विस्तार बरवाला तक हो गया है अर्थात् शाहदरा से चलकर तीसहजारी, शास्त्री नगर, इन्द्रलोक, रोहिणी, रिठाला होती हुई यह ट्रेन बरवाला तक सेवा प्रदान कर रही है। 19 दिसम्बर, 2004 को दिल्ली मेट्रो ने एक नया इतिहास रचा। इस दिन कश्मीरी गेट से दिल्ली विश्वविद्यालय तक विश्व की सबसे सुरक्षित और प्रौद्योगिक रूप से उन्नत भूमिगत मेट्रो ट्रेनों का शुभारम्भ हुआ। 4 किमी. की यह दूरी 6 मिनट में तय हो जाती है।
मेट्रो ट्रेन का तीसरा खंड कस्तूरबा गाँधी मार्ग (कनॉट प्लेस) से द्वारका तक है। इसके द्वारा, उत्तम नगर, जनकपुरी, तिलक नगर, राजौरी गार्डन, कीर्ति नगर, पटेल नगर, करोलबाग आदि क्षेत्र कनॉट प्लेस से जुड़े हैं। कश्मीरी गेट से चावड़ी बाजार होते हुए नई दिल्ली को भूमिगत ट्रेन के द्वारा जोड़ा गया है। दिल्ली के उपराज्यपाल के अनुसार दिल्ली मेट्रो ने 2021 तक 245 किमी. लम्बे मेट्रो रेल लाइनें बिछाने का मास्टर प्लान तैयार किया है। इस योजना के पूरा होने के बाद दिल्ली ऐसा शहर हो गया है जहाँ न सिर्फ खंभों पर बल्कि जमीन के नीचे सुरंगों में मेट्रो रेल चलती है।
21वीं सदी में भारत को विश्व स्तर का पब्लिक सिस्टम उपलब्ध हो रहा है। इससे पर्यावरण और लोगों की जरूरतें पूरी होने के साथ-साथ दूसरे देशों से आयात होने वाले ईंधन पर भी देश की निर्भरता कम होती चली जाएगी।

17. 4, स्नेहप्रभा,
हरी नगर,
अमरावती
दिनांक - 5 नवंबर 20XX
प्रिय तेरस्विन,
हार्दिक शुभकामनाएँ! मेरे मित्र के सफलता से मेरा दिल खुशी से भर गया है। तुमने राष्ट्रमंडल खेल में ऊँची कूद के लिए पदक जीता है, इसलिए मैं तुम्हारी इस अद्भुत प्रतियोगिता को बधाई देने के लिए खड़ी हूँ। तुम्हारा यह उपलब्धि वास्तविक गर्व का विषय है, और तुम्हारे मेहनत और समर्पण को देखकर मैं प्रेरित होती हूँ। तुम्हारा परिश्रम और साहस ने दूसरों को भी प्रभावित किया है। आगे भी इसी तरह उँचाइयों को छूने की ख्वाहिश करते हुए, तुम और भी शानदार प्रदर्शन करो। तुम्हारे सफलता का गर्व मुझे हमेशा याद रहेगा।
तुम्हारी सहेली,
विभूति

अथवा

रीठोला, नई दिल्ली
२४ मार्च २०१९
आदरणीया माताजी,
चरण कमल स्पर्श
कल २३ मार्च की शाम को मैं बाज़ार गया था वहाँ एक दुकान के काउंटर पर किसी का सुंदर पेन देखकर मेरा मन ललचा गया और आपको पता है कि पेन इकठ्ठा करने का मुझे कितना शौक है इसीलिए मैंने बिना कुछ सोचे समझे उसे उठा लिया यद्यपि मैं सिर्फ उसे अपने हाथों में देखना चाहता था,वहाँ बहुत भीड़ थी और पेन न पाकर दुकानदार ने शोर मचा दिया और लोग मुझे देख रहे थे क्योंकि मैं उस पेन को देखने में व्यस्त था। मुझे बड़ी शर्मिंदगी हुई और इससे पूरे परिवार का

नाम बदनाम हुआ। मुझे खेद है कि मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था।
अतः आपसे क्षमा याचना करता हूँ। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति नहीं होगी।

आपका आज्ञाकारी बेटा
दिनेश

18. यह मनमोहक चित्र चाय बागान का लगता है और लगता है कि भारत के पूर्वोत्तर राज्य असम, मणिपुर, नगालैण्ड जैसे किसी राज्य का है। हरे-भरे चाय के बागानों की सैर करना बहुत पसंद है। यद्यपि उनके आस-पास का वातावरण हमेशा उष्ण और नम रहता है, जिसके कारण लंबे समय तक वहाँ पर रहना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। इन बागानों में खड़े होकर अगर आप अपने चोरों ओर देखे तो दूर-दूर तक आपको सिर्फ चाय के हरे-भरे पौधे ही नज़र आते हैं, जैसे कि इस धरती पर घना हारा कालीन बिछाया गया हो। यहाँ पर चाय पत्ती एकत्रित करनेवाले मजदूरों को आने-जाने के लिए बनवाई गई संकरी गलियाँ किसी निराकार रूपरेखा के समान लगती हैं। महिलाओं का पहनावा पूर्वोत्तर राज्यों के निवासियों के पहनावे से मेल खाता है।

19. **पहला यात्री** - भाई साहब! यह बस कहाँ तक जा रही है?
दूसरा यात्री - आपको कहाँ जाना है भाई ?
पहला यात्री - मुझे तो करनाल जाना है।
दूसरा यात्री - आ जाओ भाई, बस करनाल तक ही जा रही है। जल्दी करो, चलने ही वाली है।
पहला यात्री - पहले टिकट तो ले लें।
दूसरा यात्री - आप आ जाइए। बस कंडक्टर ने बस में ही टिकट देने को कहा है।
पहला यात्री - ठीक है, आप मेरे लिए एक सीट रखिए, जब तक मैं आ रहा हूँ।
दूसरा यात्री - करनाल में आप किसी कार्य से जा रहे हैं और वहाँ किस जगह ठहरेंगे?
पहला यात्री - मेरे मित्र का गृहप्रवेश है। अतः मेरा जाना आवश्यक था। वहीं जा रहा हूँ।
दूसरा यात्री - क्या इत्तफ़ाक की बात है। मैं भी अपने मित्र के गृहप्रवेश में ही जा रहा हूँ।
पहला यात्री - (कुछ समय पश्चात्) चलिए उतरते हैं। करनाल आ गया। देर हो रही है। अब तो मित्र से सीधा बैंक्वेट हॉल में ही मिलना होगा ।
दूसरा यात्री - आपको कौन-से बैंक्वेट हॉल में जाना है?
पहला यात्री - आशियाना बैंक्वेट हॉल बताया था मेरे मित्र ने।
दूसरा यात्री - अरे! मैं भी तो वहीं जा रहा हूँ।
पहला यात्री - अच्छा ! तो आप भी मि. शर्मा के घर जा रहे हैं।
दूसरा यात्री - हाँ भाई, मैं भी वहीं जा रहा हूँ। वह मेरे परम मित्र हैं।
पहला यात्री - अरे! वह तो मेरे भी परम मित्र हैं। अब तो हमारी भी मित्रता हो गई। चलिए साथ ही चलते हैं।

अथवा

शिक्षक- गोविन्द! आज का अख़बार पढ़ा तुमने।
गोविन्द- जी श्रीमान! किन्तु उसमें ऐसी क्या खबर थी?
शिक्षक- यानी तुमने ठीक से नहीं पढ़ा। उसमें आज हमारे शहर के विकास मॉडल को मंजूरी मिल गई है।
गोविन्द- जी श्रीमान ! मैंने पढ़ा! ये तो बहुत प्रसन्नता का विषय है अब हमारा शहर भी विकास के

पथ पर अग्रसर होता हुआ दिखाई देगा। यहाँ भी चारों ओर हाइवे, मॉल और मल्टीप्लेक्स होंगे।
शिक्षक- ठीक कहा गोविन्द, बताओगे इससे हमारे शहर को क्या-क्या लाभ होंगे?
गोविन्द- शहर की सड़कों पर वाहनों का भार कम होगा, हमारी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, साथ ही शहरवासियों को मनोरंजन के साधन व अपनी आवश्यकताओं की सभी वस्तुएँ एक ही छत के नीचे आसानी से उपलब्ध होंगी।
शिक्षक- बिल्कुल ठीक गोविन्द, शाबाश।